

कोड- DVP-C102  
प्रश्न-पत्र का नाम- नैमित्तिककर्म

समय- 3 घण्टे

अधिकतम अंक-70

नोट- प्रश्न-पत्र दो खण्डों ए एवं बी में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड निर्देशानुसार हल करना अनिवार्य है।

खण्ड ‘ए’  
(लघु उत्तरीय प्रश्न)

नोट- किन्हीं पांच प्रश्नों के उत्तर 150 शब्दों में दीजिये। प्रत्येक प्रश्न 6 अंक का है।

- प्रश्न 1 भूमि पूजन कर्म में यज्ञ का क्या स्थान है? स्पष्ट करो।  
प्रश्न 2 विवाहवर्षगाँठ दाम्पत्य सुख को बढ़ाने वाला है। स्पष्ट करो।  
प्रश्न 3 नवीन वाहन क्रय किए जाने पर, होने वाले यज्ञीय कर्म का तात्पर्य स्पष्ट करो।  
प्रश्न 4 भवन की छतों पर ध्वज लगाने का क्या प्रयोजन है? व्याख्या करो।  
प्रश्न 5 मकर संक्रान्ति पर्व की व्याख्या करो।  
प्रश्न 6 विद्यारम्भ विधि को स्पष्ट करो।  
प्रश्न 7 ऐतिहासिक पर्व से आप क्या समझते हैं?  
प्रश्न 8 महर्षि दयानन्द सरस्वती और दीपावली पर्व का परस्पर क्या संबन्ध है? स्पष्ट करो।  
प्रश्न 9 नैमित्तिक कर्म के प्रादुर्भाव को स्पष्ट करो।  
प्रश्न 10 विद्या का मानव जीवन में क्या स्थान है? स्पष्ट करो।

खण्ड ‘बी’  
(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

नोट- किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर विस्तृत रूप में दीजिये। प्रत्येक प्रश्न 10 अंक का है।

- प्रश्न 1 ‘यज्ञीय जीवन श्रेष्ठ है’- इस वाक्य का विस्तार से वर्णन करो।  
प्रश्न 2 ‘माता भूमि पुत्रोऽहं पृथिव्या’- मन्त्र की व्याख्या करो।  
प्रश्न 3 नववर्ष से आप क्या समझते हैं? इसकी सप्रसंग व्याख्या करो।  
प्रश्न 4 ‘यां मेधां देवगणा पितरश्चोपासते’ मन्त्र को लिखकर, व्याख्या करो।  
प्रश्न 5 पर्व से आप क्या समझते हैं? इनका सामाजिक उत्थान में क्या योगदान है? स्पष्ट करो।  
प्रश्न 6 भवन निर्माण सम्बन्धित प्रमुख ध्यान में रखने वाले पक्षों की व्याख्या करो।  
प्रश्न 7 पुत्रकामना गृहस्थ की सभी कामनओं में सर्वोपरि है, इस भाव की व्याख्या करो।  
प्रश्न 8 होली पर्व का सार अपने शब्दों में विस्तार से लिखिए।